disclose details of ingredients etc. of these products.

3179. *[Transferred to the 17th August,* 1992]

भारत बैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड को हुआ लाभ/हानि

3180. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान भारत बैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड को हुए लाभ/हानि का ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इसके एककों की उत्पादन क्षमता कितनी रही और मुजफ्फरपुर तथा मुकामा स्थित उसके कारखानों में इस समय कितने श्रमिक कार्य कर रहे हैं; और

(ग) क्या इसके विकास और विस्तार की कोई योजना सरकार के पास लम्बित है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग) में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) : (क) भारत बैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटड (बी०डब्लू०ई०एल०) द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान अर्जित लाभ नीचे दिया गया है :—

(लाख रुपयों में)

वर्ष	लाभ
1989–90	1.00
1990–91	78.00
1991–92	377.00 (अनंतिम)

(ख) बी डब्लू ई एल के तीन एकक हैं और गत तीन वर्षों के दौरान उनकी उत्पादन क्षमता नीचे दर्शाई गई है :—

वर्ष	मोकामा	मुजफ्फर-पुर	बेला
1989–90	90%	82%	33%
1990–91	99%	98%	42%
1991–92	117%	115%	57%

मोकामा और मुजफ्फरपुर में 31–7–92 को श्रमिकों की संख्या क्रमश: 886 और 814 थी ।

(ग) बी. डब्लू. ई. एल. ने आधुनिकीकरण और संतुलन स्कीमों के लिये आठवीं योजनावधि के दौरान नौ करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रस्ताव किया है। ये प्रस्ताव निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेंगे ।

उत्तर प्रदेश में लघु और कुटीर उद्योग

3181. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार की उदासीनता के कारण उत्तर प्रदेश के लघु और कुटीर उद्योगों का विकास नहीं हो रहा है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान लघु और कुटीर उद्योगों द्वारा कितना उत्पादन किया गया था और उनमें कितने व्यक्ति नियोजित थे; और

(ग) सरकार ने उत्तर प्रदेश में लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के लिए क्या कदम उठाये हैं और गत तीन वर्षों में इनके विकास के लिए कितनी धनराशि दी गई ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में

राज्य मंत्री (श्री पी०जे० कुरियन) : (क) जी, नहीं।

(ख) (लाख रु० में)

वर्ष	रोजगार	उत्पादन
1989–90	132433	उपलब्ध नहीं
1990-91	146967	28,512.00
1991–92	137647	34,711.00

(ग) उत्तर प्रदेश राज्य समेत देश में लघु तथा कुटीर उद्योगों के विकास के लिए उठाये कदमों का उल्लेख संसद में 6 अगस्त, 1991 को रखे गये नीति संबंधी उपायों में किया गया है।

पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश में विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजना स्कीमों/संस्थानों के लिए दी गई रीलीज्ड/स्वीकृत राशि इस प्रकार है।

योजना व्यय: (रुपए लाख में)

योजना/संस्थान का नाम	1989–90 (वास्तविक व्यय)	1990-91	1991–9 (अनुमानित व्यय)
1. विद्युत सेवा तथा प्रशिक्षण केन्द्र (रामनगर) उत्तर प्रदेश	40.00	35.00	60.00
2. प्रक्रिया सह-विकास केन्द्र मेरठ सिटी	10.00	15.00	11.00
3. प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र आगरा, उत्तर प्रदेश	48.00	52.00	55.00
4. अनिवार्य तेल के लिए प्रक्रिया/सह-उत्पाद, विकास केन्द्र कन्नौज	—	—	20.00
स्कीमें			
5. डी. आई. सी. कार्यक्रम (ऋण तथा अनुदान)	290.60	277.00	282.5
6. रुग्ण लघु एककों को फिर से खोलने के लिए सीमांत धन योजना (स्वीकृत राशि)	10.00	—	—

इसके अलावा, एस. ई.ई. यू. वाई. स्कीम, ई. डी. पी., आई. एम. टी., सहायक विकास इत्यादि जैसी कुछ अन्य प्लान स्कीमें भी कार्य कर रही हैं जिनके राज्यवार स्वीकृत/प्रदत्त राशि के ब्यौरे अलग से उपलब्ध नहीं हैं।